

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 01 अक्टूबर 2026 वर्ष-9,अंक-240 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com



www.facebook.com/krantisamay1



www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम



पीएम मोदी ने कर्मयोग पर दिया जोर, साझा किया गीता का श्लोक

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 18 (मोक्षसंन्यासयोग) के श्लोक 45 को साझा किया। उन्होंने श्लोक का अर्थ समझाते हुए निष्पुर्वक अपने स्वाभाविक कर्मों को करने और उसके महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वे स्वे कर्मण्यभिरतः संसिद्धिं लभते नरः। स्वकर्मनिरतः सिद्धिं यथा विन्दति तच्छुणु। श्लोक साझा करते हुए बताया, जो मनुष्य अपने-अपने स्वाभाविक कर्मों में तत्पर रहते हैं, वे परम सिद्धि को प्राप्त करते हैं। इसलिए अपने कर्मों में लगे मनुष्यों को यह अवश्य सुनना और जानना चाहिए कि अपने कर्मों का पालन करते हुए परम सिद्धि किस प्रकार प्राप्त की जाती है। यह पहला मौका नहीं है जब प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारतीय ग्रंथों के श्लोकों और उनके जीवन में महत्व को रेखांकित करता है, जिस पर वे अक्सर जोर देते रहे हैं। इस श्लोक का संदेश बेहद व्यापक और जीवन के लिए प्रेरणादायक है। यह स्व-धर्म और उसके पालन के महत्व को दर्शाता है। स्व-धर्म का अर्थ है अपने गुणों और जीवन की अवस्थाओं के अनुरूप निर्धारित कर्म। इसे ईमानदारी से सम्पन्न करना न केवल शारीरिक और मानसिक क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग सिद्ध करता है, बल्कि आध्यात्मिक विकास की ओर भी अग्रसर करता है। यह समाज और व्यक्ति दोनों के लिए लाभकारी होता है, क्योंकि अपने स्वभाव के अनुरूप कर्तव्यों का निर्वहन करने में व्यक्ति स्वयं को अधिक सहज अनुभव करता है। श्रीमद्भगवद्गीता के इस अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को यही समझाते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति का अपना स्वभाव और प्रकृति के अनुसार कर्म निर्धारित है। यदि व्यक्ति अपने उसी स्वाभाविक कर्म को पूरी निष्ठा और तत्परता से करता है, तो वही उसकी सिद्धि का मार्ग बन जाता है। उसे किसी दूसरे के कर्म की नकल करने की आवश्यकता नहीं है। उदाहरण के तौर पर, एक शिक्षक का धर्म ज्ञान प्रदान करना है, एक सैनिक का धर्म देश की रक्षा करना है और एक किसान का धर्म खेती करना है। यदि सभी अपने-अपने कर्म को ईमानदारी से करें, तो समाज में संतुलन बना रहता है और व्यक्ति को भी आत्मिक संतुष्टि प्राप्त होती है। इस श्लोक में एक और महत्वपूर्ण बात यह भी निहित है कि जैसे-जैसे हमारी क्षमता बढ़ती है, हमारा स्व-धर्म भी परिवर्तित हो सकता है, और हम अगले स्तर या कक्षा में प्रवेश करते हैं। इस प्रकार, अपने उत्तरदायित्वों का निष्पुर्वक निर्वहन करते हुए हम निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर होते रहते हैं।

दुबई से इजराइल जा रही प्लाइट में हाईजैक अलर्ट से दुनिया में मचा हड़कंप

पायलट से गलती से दब गया गलत कोड, प्लेन को सऊदी अरब में उतारा नई दिल्ली।

आसमान में उड़ते एक विमान से आए एक सिंगल कोड सिग्नल ने बुधवार को दुनिया भर की सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। दुबई से इजराइल के लिए उड़ान भरने वाली यात्री फ्लाइट में पायलट से अनजाने में ऐसी गलती हुई, जिसने कुछ ही मिनटों में हाईजैक की अपवाह फैला दी। दरअसल बुधवार को दुबई की एक फ्लाइट के पायलट ने उड़ान के दौरान गलत बटन दबाने से हड़कंप मच गया। यह फ्लाइट दुबई से तेल अवीव जा रही थी। इसमें 174 यात्री सवार थे। अचानक प्लेन का रास्ता बदला गया और उसे सऊदी अरब में उतारा गया। बता दें एक छोटी सी घटना ने कुछ ही सेकंड में दुनिया भर में डर पैदा कर दिया। पायलट ने इमरजेंसी कोड भेजते समय गलती से गलत कोड भेज दिया। पायलट ने हाईजैकिंग 7500 कोड भेजा, जिससे डर और कन्फ्यूजन पैदा हो गया। इजराइली सेना ने प्लेन को एस्कॉर्ट करने के लिए फाइटर जेट भी भेजे। सब कुछ बहुत तेजी से हुआ। इजराइली अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और हाईजैकिंग की खबरों को गलत बताया। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस के एक अधिकारी ने बयान जारी कर कहा कि यह घटना हाईजैकिंग नहीं थी।

सीईसी के घर कालिख पोतने के मामले में छह कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के दिल्ली स्थित आवास पर कालिख पोतने के मामले में छह कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने इन कार्यकर्ताओं के खिलाफ हत्या के प्रयास और दंगा सहित भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। करीब 20 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर घर के गेट और दीवारों पर काले रंग से नारे लिखने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए लोगों में कांग्रेस नेता अनिल यादव, मुकेश थांगर, मनोज गौड़, राजेश कुमार, राजा गौतम और पंकज चौधरी शामिल हैं। इन सभी को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उप निरीक्षक गौरव गुप्ता की शिकायत पर हरिपर्वत थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस के शाह अध्यक्ष अमित सिंह ने इन गंभीर धाराओं को गलत और अनावश्यक बताया है। उन्होंने कहा कि मामला केवल विरोध प्रदर्शन से संबंधित धाराओं तक सीमित रहना चाहिए था।

इंडिया गठबंधन की बैठक शुरू,एसआईआर और निर्वाचन आयोग के मुद्दे पर बनेगी रणनीति

दिल्ली में जुटे विपक्षी दलों के नेता, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर आगे की रणनीति पर भी चर्चा

नई दिल्ली।

विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को नई दिल्ली में शुरू हो गई। बैठक में कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के नेता शामिल हो रहे हैं। बैठक का प्रमुख मुद्दा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण

(एसआईआर) और निर्वाचन आयोग से जुड़े विवाद हैं। विपक्षी दल इन मुद्दों पर साझा रणनीति तैयार करने पर चर्चा कर रहे हैं। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तुणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी और अन्य दलों के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की जानकारी है। वाम दल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

(शरदचंद्र पवार), राष्ट्रीय जनता दल और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सहित कई दलों के प्रतिनिधि भी बैठक में मौजूद हैं। एसआईआर और मुख्य निर्वाचन आयुक्त का मुद्दा प्रमुख बैठक में विपक्षी दल एसआईआर प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर अपनी आगे की रणनीति पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार,



मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर संसद में नए प्रस्ताव की

संभावनाओं पर भी चर्चा हो सकती है।

विपक्षी दल एसआईआर से

प्रभावित मतदाता सूचियों और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अन्य मुद्दों को भी बैठक में उठा रहे हैं।

आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से झटका, पत्नी से मिलने के लिए 20 दिन की अंतरिम जमानत खारिज

अहमदाबाद।

गुजरात हाईकोर्ट ने 2013 के दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 वर्षीय आसाराम की 20 दिन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। आसाराम ने अस्पताल में भर्ती 83 वर्षीय पत्नी से मिलने के लिए मानवीय आधार पर राहत मांगी थी।

सुनवाई के दौरान पुलिस की रिपोर्ट और इलाज कर रहे डॉक्टरों के बयान में बताया गया कि उनकी पत्नी की हालत स्थिर है, उपचार का अच्छा असर हो रहा है और अगले दो-तीन दिनों में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। राज्य सरकार ने इसी आधार पर

जमानत का विरोध किया। हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी की देखभाल के लिए परिजन और निजी डॉक्टर मौजूद हैं, इसलिए आसाराम को जेल से रिहा करने की तत्काल आवश्यकता नहीं है। हालांकि, अदालत ने राहत देते हुए आसाराम को जेल अधीक्षक के माध्यम से पत्नी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात करने की अनुमति देने की छूट दी।

यह आवेदन 2013 के दुष्कर्म मामले में सजा के खिलाफ लंबित अपील के दौरान दायर किया गया था।

इससे पहले भी इसी महीने हाईकोर्ट उनकी एक अन्य अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर चुका है।

आखिर कौन हैं सपा के राज्यसभा उम्मीदवार धनराज परिमल नाथवानी?

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान करने के साथ ही अपने दोनों प्रत्याशियों का नामांकन भी करा दिया है। पार्टी ने अनुभवी संसदीय नेता प्रो. रामगोपाल यादव के साथ धनराज परिमल नाथवानी को भी मैदान में उतारा है। सपा की ओर से प्रो. रामगोपाल यादव का नाम आना तो तथ्य था लेकिन नाथवानी का नाम सामने आते ही चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। धनराज परिमल नाथवानी के कृतिव और व्यक्तित्व से अपरिचित लोग उनके बारे में जानने को उत्सुक दिखाई दिए।

दरअसल, धनराज परिमल नाथवानी कॉरपोरेट जगत में लंबे समय से सक्रिय हैं। वह रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में ग्रुप प्रेसिडेंट हैं। उनकी प्रोफाइल के मुताबिक,

वर्ष 2010 से वह रिलायंस समूह से अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े हुए हैं। इस दौरान उन्होंने वित्त, लेखा, खरीद, मानव संसाधन, कॉरपोरेट अफेयर्स और सुरक्षा समेत कई गैर-तकनीकी विभागों की जिम्मेदारियां संभाली हैं। नाथवानी रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड के निदेशक भी हैं। धनराज नाथवानी सिर्फ कॉरपोरेट क्षेत्र तक सीमित नहीं रहे। उनका खेल प्रशासन में भी सक्रिय जुड़ाव रहा है। वह गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) के अध्यक्ष हैं। इससे पहले वह एसोसिएशन के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। उनकी प्रोफाइल के अनुसार, अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से जुड़े प्रोजेक्ट में भी उनकी भूमिका रही है। इसके अलावा वह गुजरात स्टेट फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष के तौर पर भी काम कर चुके हैं।

अरब सागर में 3,000 करोड़ की ड्रग्स खेप जब्त, गुजरात एटीएस-कोस्ट गार्ड का बड़ा ऑपरेशन

5 पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार, 526 किलो हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन बरामद, लक्षद्वीप के पश्चिम में सदियध ईरानी नाव को घेरकर दबोचा

अहमदाबाद।

गुजरात एंटी टेररिस्ट स्कॉड (एटीएस) और भारतीय कोस्ट गार्ड ने संयुक्त अभियान में अरब सागर में अब तक की बड़ी मादक पदार्थ विरोधी कार्रवाई को अंजाम देते हुए करीब 526 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त ड्रग्स की कीमत रु. 3,000 करोड़ से अधिक आंकी गई है। इस मामले में नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों को आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया है। जानकारी के अनुसार, गुजरात एटीएस,

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और भारतीय कोस्ट गार्ड को विश्वसनीय खुफिया सूचना मिली थी कि अरब सागर के रास्ते बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। इसके बाद संयुक्त अभियान चलाकर लक्षद्वीप के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में एक सदियध ईरानी नाव की पहचान की गई और उसका लगातार पीछा किया गया। लंबी निगरानी के बाद सुरक्षा बलों ने नाव को रोककर तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन बरामद हुई। भारतीय कोस्ट गार्ड ने सोशल मीडिया पर अभियान की जानकारी साझा करते हुए बताया कि 25 सितंबर 2026 को मिली खुफिया सूचना के आधार पर यह कार्रवाई



शुरू की गई थी। सटीक निगरानी और तेज कार्रवाई के चलते सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने में सफलता हासिल की। तलाशी के दौरान नाव से 526 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय

बाजार में कीमत ₹3,000 करोड़ से अधिक बताई जा रही है। नाव पर मौजूद पांचों पाकिस्तानी कू सदस्यों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मादक पदार्थों की खेप समुद्री मार्ग से आगे पहुंचाई जानी थी।

इंडिया गठबंधन की बैठक में 6 मुद्दों पर बनी सहमति, 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्चा

राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगेगा विपक्ष

नई दिल्ली।

30 सितंबर 2026 को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में चुनाव आयोग, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर विपक्षी दलों ने आगे की रणनीति पर चर्चा की। विपक्षी दलों की बैठक करीब साढ़े तीन घंटे चली। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा

कि सभी दलों ने मिलकर आगे की लड़ाई लड़ने पर सहमति जाहिर की है। बैठक में कुछ नेता ऑनलाइन भी शामिल हुए। बैठक में शिवसेना युबीटी नेता उद्धव ठाकरे और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी अपने विचार रखे। खरगे के अनुसार, राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अन्य नेताओं ने बैठक में कई सुझाव दिए। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बताया कि इंडिया गठबंधन चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची

से जुड़े मुद्दों को लेकर संयुक्त कार्यक्रम चलाएगा। इसके तहत 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ' मार्च आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तर पर मार्च और प्रदर्शन करने की योजना है। इंडिया गठबंधन की ओर से विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ लोकतंत्र से जुड़े मुद्दों पर काम करने वाले संगठनों से भी इन कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की गई है। इन कार्यक्रमों के जरिए चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची और लोकतांत्रिक अधिकारों

से जुड़े सवाल जनता के बीच उठाए जाएंगे। कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि 6 अक्टूबर को विपक्षी सांसद चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च करने वाले हैं। उन्होंने बताया कि पहले इस कार्यक्रम के लिए किसी अन्य तारीख पर विचार किया गया था, लेकिन सांसदों की उपलब्धता को देखकर 6 अक्टूबर की तारीख तय की गई।

विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को भी अपने अभियान के प्रमुख मुद्दों में शामिल किया है।



बैठक में चुनाव आयोग, एसआईआर, मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता से जुड़े मुद्दों पर साझा रणनीति बनाने

पर चर्चा हुई। खरगे ने कहा कि विपक्षी नेता अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए समय मांगेंगे।

शाकाहार है स्वस्थ और संतुलित दुनिया का आधार

(लेखक – ललित गर्ग)

(विश्व शाकाहार दिवस (1 अक्टूबर 2026) पर विशेष)

बढ़ती बीमारियों, तनावपूर्ण जीवन और पर्यावरणीय संकटों के बीच मनुष्य को अपने खानपान पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता महसूस हो रही है। जीवन की गुणवत्ता और निरोगता के लिए आहार में परिवर्तन के स्वर आज दुनिया के अनेक हिस्सों में सुनाई दे रहे हैं। इसी संदर्भ में शाकाहार केवल भोजन की एक पद्धति नहीं, बल्कि करुणा, अहिंसा, स्वास्थ्य, पर्यावरण–संरक्षण और संतुलित जीवन का व्यापक दर्शन बनकर सामने आ रहा है। प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व शाकाहार दिवस इसी जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करने का अवसर है। इस दिवस का आरंभ 1977 में नॉर्थ अमेरिकन वेजिटेरियन सोसायटी की पहल से हुआ और 1978 में इंटरनेशनल वेजिटेरियन यूनियन ने इसका समर्थन किया। इसका उद्देश्य शाकाहार से जुड़े स्वास्थ्य, पर्यावरणीय, नैतिक और मानवीय पक्षों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शाकाहार को किसी संकीर्ण धार्मिक या खानपान की पहचान तक सीमित न रखकर उसे स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के रूप में समझा जाए। भोजन मनुष्य के शरीर को ही नहीं, उसके विचारों और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। जैसा भोजन, वैसी वृत्ति और जैसी वृत्ति, वैसा जीवन–यह भारतीय चिंतन की महत्वपूर्ण धारणा रही है। शाकाहार इसी दृष्टि से शरीर और मन दोनों के लिए संतुलन का माध्यम बन सकता है। फल, सब्जियां, दालें, अनाज, मेवे, बीज और अन्य वनस्पति–आधारित खाद्य पदार्थ उचित संतुलन के साथ लिए जाएं तो वे स्वस्थ आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि किसी भी आहार–पद्धति में पोषण–संतुलन आवश्यक है और व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य तथा जरूरतों के अनुसार भोजन का चयन किया जाना चाहिए।

महात्मा गांधी के अनुसार भोजन केवल स्वाद का विषय नहीं, आत्मसंयम का भी विषय है। वे स्वाद पर नियंत्रण को जीवन–साधना का हिस्सा मानते थे। वास्तव में भोजन का उद्देश्य केवल जिज्ञा को संतुष्ट करना नहीं, शरीर को स्वस्थ रखना और जीवन को संयमित बनाना होना चाहिए। आज जब स्वाद और बाजार की संस्कृति हमारे खानपान को तेजी से प्रभावित कर रही है, तब शाकाहार हमें संयम, सादगी और विवेक की ओर लौटने का अवसर देता है। शाकाहार का संबंध केवल स्वास्थ्य से नहीं, करुणा और अहिंसा से भी है। भारत की सांस्कृतिक चेतना में ‘अहिंसा परमो धर्मः’ की भावना ने सदियों से जीवन को दिशा दी है। भगवान महावीर ने प्रत्येक जीव में जीवन की समानता को स्वीकार करते हुए अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च आधार बनाया। गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी और अनेक संतों–मनीषियों ने भी करुणा और अहिंसा को मानवीय जीवन का

मूल मूल्य माना। जैन दर्शन तो जीव मात्र के प्रति मैत्री और करुणा को जीवन की आधारभूमि मानता है। इसलिए शाकाहार केवल थाली में परिवर्तन नहीं, दृष्टि में परिवर्तन है–वह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हमारे भोजन की कीमत किसी दूसरे जीव के जीवन से तो नहीं चुकाई जा रही।

शाकाहार का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण से जुड़ा है। पशुपालन और औद्योगिक मांस उत्पादन के लिए भूमि, जल, चारा और ऊर्जा की बड़ी मात्रा की आवश्यकता होती है। पशुधन से जुड़ी गतिविधियां ग्रीनहाउस गैसों, जल उपयोग और भूमि पर दबाव जैसे पर्यावरणीय प्रश्नों से भी जुड़ी हैं। ऐसे समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जल–संकट, भूमि क्षरण और जैव–विविधता के संकट से जूझ रही है, टिकाऊ और संतुलित खाद्य प्रणालियों पर विचार करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से पौध–आधारित भोजन की ओर बढ़ता रुझान पर्यावरणीय विमर्श का भी हिस्सा बन रहा है। शाकाहार का अर्थ केवल मांसाहार का त्याग नहीं है। इसका अर्थ भोजन के प्रति सजगता है।

विश्व के अनेक देशों में पौध–आधारित भोजन के प्रति रुचि बढ़ी है। कभी मांसाहार को आधुनिकता और समृद्धि का प्रतीक मानने वाले समाजों में भी अब स्वास्थ्य, पर्यावरण और पशु–कल्याण के प्रश्नों पर नए सिरे से विचार हो रहा है। अनेक वैज्ञानिक, लेखक, दार्शनिक और सामाजिक चिंतक अपने जीवन में शाकाहार का समर्थन करते रहे हैं। लियोनार्डो दा विंची, लियो टॉलस्टॉय, जॉर्ज बर्नाई शॉ और महात्मा गांधी जैसे व्यक्तित्वों के जीवन और विचार शाकाहार तथा करुणा के प्रश्न से जुड़े रहे हैं। यह परिवर्तन बताता है कि भोजन के संबंध में दुनिया की सोच स्थिर नहीं है, अनुभव, विज्ञान और बदलती परिस्थितियां उसे लगातार प्रभावित करती हैं। भारत के लिए यह विषय और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारी कृषि–संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और अहिंसा–दर्शन में शाकाहार की गहरी जड़ें हैं। भारतीय समाज में दाल, अनाज, सब्जियां, फल, दूध, दही, घी, मेवे और अनेक वनस्पति–आधारित खाद्य पदार्थ सदियों से भोजन का हिस्सा रहे हैं। आयुर्वेद ने भी भोजन को शरीर, प्रकृति और जीवनशैली के अनुरूप रखने पर जोर दिया है। इसलिए शाकाहार भारत के लिए कोई नया फैशन नहीं, बल्कि अपनी जीवन–परंपरा को आधुनिक वैज्ञानिक समझ के साथ पुनर्जीवित करने का अवसर है।

विशेष चिंता इस बात की है कि आधुनिकता और फैशन के नाम पर नई पीढ़ी में खानपान की ऐसी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं जिनमें स्वाद और दिखावे को स्वास्थ्य एवं संवेदना से अधिक महत्व मिला है। युवाओं के लिए शाकाहार को केवल परंपरा या धार्मिक आग्रह के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय विज्ञान, स्वास्थ्य, पर्यावरण और मानवीय मूल्यों से जोड़कर समझाना होगा। यदि युवा यह समझें कि उनकी थाली का संबंध उनके स्वास्थ्य के साथ–साथ पृथ्वी के स्वास्थ्य और जीव–जगत के प्रति उनके दृष्टिकोण से भी है, तो शाकाहार उनके लिए बोझ

हरित ऊर्जा की नई राह पर भारत

गीगावॉट–घंटे की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम क्षमता का प्रावधान है।नवीकरणीय ऊर्जा की सबसे बड़ी चुनौती उसकी प्रकृति से जुड़ी है। सूर्य की रोशनी हर समय उपलब्ध नहीं होती और हवा की गति भी समान नहीं रहती। ऐसे में सौर और पवन ऊर्जा के उत्पादन में उतार–चढ़ाव स्वाभाविक है। बैटरी आधारित ऊर्जा भंडारण इस चुनौती का महत्वपूर्ण समाधान बन सकता है।जब नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन अधिक होगा, तब अतिरिक्त बिजली को संग्रहित किया जा सकेगा और आवश्यकता के समय उसका उपयोग किया जा सकेगा। इससे ग्रिड में लचीलापन आएगा और बिजली की आपूर्ति को अधिक स्थिर बनाने में मदद मिलेगी।

बीईएसएस की 50 जी डब्लू एच क्षमता केवल ऊर्जा भंडारण का आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती ऊर्जा व्यवस्था में एक नए युग की शुरुआत का संकेत भी है। पीक आवर में बिजली की बढ़ती मांग, ग्रिड में संभावित कंजेशन और नवीकरणीय ऊर्जा की अनियमित उपलब्धता जैसी चुनौतियों से निपटने में यह व्यवस्था उपयोगी होगी। विशेष रूप से उस समय जब सौर ऊर्जा उपलब्ध नहीं होती, संग्रहीत ऊर्जा मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III को वित्तीय वर्ष 2032–33 तक स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी कुल परियोजना लागत 1,86,405 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसमें 1,36,378 करोड़ रुपये इंद्रा–स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम के विकास के लिए और लगभग 50,000 करोड़ रुपये 50 GWh बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए निर्धारित हैं। योजना के अंतर्गत कुल 54,082 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रावधान है। यह सहायता इंद्रा–स्टेट ट्रांसमिशन शुल्क को कम करने में मदद करेगी, जिसका सीधा संबंध बिजली की लागत से है।

इसका अंतिम लाभ बिजली उपभोक्ताओं तक पहुँचने की संभावना है।इस योजना की कार्यान्वयन व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है।इंद्रा–स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम के अंतर्गत आने वाली ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को टैरिफ आधारित प्रतियुद्धों बोली के माध्यम से लागू किया जाएगा। वहीं ब्राउनफील्ड अपग्रेडेशन और नेटवर्क को मजबूत करने से जुड़े कार्य कॉस्ट प्लस बेसिस पर किए जाएंगे।राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटीज समग्र कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में भूमिका निभाएंगी,जबकि ट्रांसमिशन सर्विस प्रोवाइडर्स बिल्ड–ओन– ऑपरेट–मेन्टेन मॉडल के तहत प्रतियुद्धों बोली प्रक्रिया में भाग लेंगे। इससे परियोजनाओं के निर्माण के साथ उनके दीर्घकालिक संचालन और रखरखाव की व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III का महत्व केवल बिजली क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इसके प्रभाव ऊर्जा, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र तक पहुँचेंगे। बड़े पैमाने पर ट्रांसमिशन नेटवर्क के निर्माण से कुशल और आप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के निर्माण और उपयोग से घरेलू ऊर्जा भंडारण उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा।इसके साथ ही संचालन, रखरखाव और आधुनिक ग्रिड प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक कुशल रोजगार की संभावनाएँ बढ़ेंगी।यह योजना भारत के दीर्घकालिक ऊर्जा लक्ष्यों से भी जुड़ी हुई है। 2035 तक 900 गीगावॉट स्थापित गैर–जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। उसके साथ मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क और पर्याप्त ऊर्जा भंडारण क्षमता भी आवश्यक होगी। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III इन दोनों आवश्यकताओं को एक साथ संतुलित करता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।भारत आज एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहाँ

ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय सुरक्षा को अलग–अलग नहीं देखा जा सकता। बढ़ती अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ता औद्योगिक उत्पादन, शहरीकरण और डिजिटल अर्थव्यवस्था बिजली की मांग को लगातार बढ़ा रहे हैं। ऐसे में देश को ऐसी ऊर्जा व्यवस्था चाहिए जो पर्याप्त होने के साथ स्वच्छ, विश्वसनीय और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हो। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के साथ मजबूत ट्रांसमिशन और ऊर्जा भंडारण इसी दिशा में आधारभूत आवश्यकता बन चुके हैं।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III इसी बदलती आवश्यकता के अनुरूप भारत के ऊर्जा ढाँचे को नई दिशा देता दिखाई देता है। 135 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा के संचरण की क्षमता, 50 जी डब्लू एच ऊर्जा भंडारण और 1,86,405 करोड़ रुपये का कुल निवेश देश की ऊर्जा संरचना के व्यापक विस्तार का संकेत है। इसका उद्देश्य केवल आज की बिजली जरूरतों को पूरा करना नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए ऐसी व्यवस्था तैयार करना है जिसमें स्वच्छ ऊर्जा देश की आर्थिक प्रगति क। मजबूत आधार बने।ऊर्जा आत्मनिर्भरता, हरित विकास और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में भारत की यात्रा अब उत्पादन से आगे बढ़कर संचरण और भंडारण के चरण में पहुँच रही है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III इसी परिवर्तन की महत्वपूर्ण कड़ी है। आने वाले समय में जब देश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा मांग दोनों तेजी से विस्तार करेगी, तब मजबूत ग्रिड, पर्याप्त भंडारण और व्यापक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता भारत के विकास की नई ऊर्जा रीढ़ बन सकती है। यही वह आधार है, जिस पर स्वच्छ ऊर्जा से समर्थ, आत्मनिर्भर और पर्यावरण–संतुलित भारत की तस्वीर आकार ले रही है।

(विनोद सिंह ‘तकियावाला’, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लगा जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग–पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमे़त तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा

उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुक् चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सर्वदेव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता।

भजति शब्द अच्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबन्ध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण

कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात् भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण–भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है।

लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं, और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

 संपादकीय
महिला सुरक्षा का संकट
 यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना है कि कार्यपालिका की लचर कार्यशैली के चलते गाहे–बगाहे न्यायालय को उन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है, जिनका दायित्व निभाना सरकारों का काम है। वैसे कहने को तो पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिये तमाम कार्यदे–कानून बनाए गए हैं। लेकिन जब इन कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंतर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतः संज्ञा लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने रिफर्ष यही नहीं पूछा कि ये संगीन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी मुस्तेदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये असुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटाबेस, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निरस्रदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये–नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेिटियां बनाने में तो कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मेकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिथी मान लिया जाए? उल्लेखनीय है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में उलझकर रह जाती हैं। कहने को ऐसे अपराधों को रोकने वाला सिस्टम फाइलों में तो दर्ज होता है, लेकिन जब वास्तव में किसी व्यक्ति को इसकी जरूरत होती है, तो यह हमेशा की तरह नदारद मिलता है। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत द्वारा सुरक्षा उपायों के ऑडिट, व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान, किसी घटना के होने पर प्रतिक्रिया देने के समय और कार्यक्षमता के मूल्यांकन पर जोर देना, एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा। सही मायने में ऐसे मामलों में रिफर्ष पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। ऐसे में सड़कों में स्ट्रीट लाइट न होने पर म्युनिसिपल एजेंसियां, ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी, प्रशासक, तकनीक उपलब्ध कराने वाले विभाग और न्याय व्यवस्था आदि सभी सुरक्षा शृंखला का हिस्सा हैं। निर्विवाद रूप से किसी भी एक स्तर पर विफलता के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। दिल्ली के बहुचर्चित निर्भया प्रकरण के चौदह साल बाद मिला यह सबक स्पष्ट करता है कि कानून और योजनाएं तो बस शुरुआत मात्र हैं। असली कसौटी तो उनके लागू होने में है। इस आलोक में किसी पार्क में जाने, बस में चढ़ने या घर पैदल जाने वाली किसी महिला को इस बात पर आशंकिा नहीं होना चाहिए कि किसी संकट की स्थिति में सुरक्षा के लिये बना सिस्टम काम करेगा भी था नहीं।

(लेखक– सनत जैन)

स्वास्थ्य सेवा किसी भी सभ्य समाज की सबसे बड़ी मानवीय जिम्मेदारी है। बीमार व्यक्ति डॉक्टर और अस्पताल के पास केवल इलाज के लिए नहीं जाता, वह अपना जीवन और भरोसा दोनों सौंपता है। इसलिए जब इसी भरोसे को मुनाफे का माध्यम बना दिया जाए तो सवाल केवल महंगे इलाज का नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशीलता के संकट का बन जाता है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में कैसर की एक दवा का उदाहरण सामने आया, जिसकी कीमत रिटेलर के लिए लगभग 2,700 रुपये थी, लेकिन उसकी एमआरपी 27,000 रुपये तक रखी गई। यानी कीमत में करीब दस गुना अंतर। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस पर बेहद गंभीर चिंता जताते हुए इसे मरीजों के साथ दिनदहाड़े लूट

और ‘कत्लेआम’ जैसी स्थिति बताया। अदालत ने केंद्र से सभी दवाओं पर समान 16 प्रतिशत मार्जिन की संभावना पर विचार करने को कहा और अस्पतालों की अपनी फार्मसी से ही दवा खरीदने की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को है। यह घटना केवल एक दवा की कीमत का मामला नहीं है। इसके पीछे स्वास्थ्य व्यवस्था के उस बड़े संकट को देखना होगा, जिसमें मरीज बीमारी से कम और इलाज के खर्च से अधिक भयभीत होने लगा है। कैसर जैसी बीमारी में परिवार की वर्षों की बचत, जमीन–जायदाद और घर तक बिक जाते हैं। ऐसे समय में यदि अस्पताल, दवा कंपनियां या कोई अन्य व्यवस्था मरीज की मजबूरी को मुनाफे का अवसर समझे तो यह चिकित्सा की आत्मा पर प्रश्नचिह्न है। सरकार का तर्क हो सकता है कि हर ऊँची कीमत के लिए फार्मा कंपनी जिम्मेदार नहीं है. निजी अस्पताल

भी कीमत बढ़ाते हैं। जिम्मेदारी एक–दूसरे पर डालने से मरीज को राहत नहीं मिलेगी। सरकार की पहली जिम्मेदारी स्पष्ट और प्रभावी मूल्य नियंत्रण, पारदर्शी बिलिंग और नियमित निगरानी सुनिश्चित करना है।डीपीसी ओ –2013 और एन पीए पी जैसी व्यवस्थाएँ मौजूद हैं. अदालत में सामने आए ऐसे मामलों से यह प्रश्न उठता है कि नियमन का लाभ वास्तव में मरीज तक पहुंच रहा है या नहीं। निजी अस्पतालों को भी यह समझना होगा कि अस्पताल उद्योग हो सकता है, लेकिन मरीज कोई ‘ग्राहक’ मात्र नहीं है। डॉक्टर के सामने बैदा व्यक्ति अपने जीवन के सबसे कमजोर क्षण में होता है। उसे भय दिखाकर अनावश्यक जांच, महंगी दवा, अतिरिक्त प्रक्रिया या अनावश्यक ऑपरेशन को अधिक या कम चिकित्सा–व्यवस्था के मूल उद्देश्य के विरुद्ध है। हालांकि यह भी उतना ही जरूरी है कि ईमानदारी से सेवा करने वाले लाखों डॉक्टरों

और स्वास्थ्यकर्मियों को कुछ संस्थानों की गलत प्रथाओं के कारण सामूहिक रूप से दोषी न ठहराया जाए। सबसे चिंताजनक स्थिति तब होती है जब सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का खर्च भी अंततः करदाता की जेब से जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी संदर्भ में सवाल उठाया कि यदि मरीज सरकारी योजना के अंतर्गत उपचार करा रहा है तो महंगी दवाओं की प्रतिपूर्ति का बोझ आखिर किस पर पड़ेगा–सरकार पर और अंततः जनता पर। मृत्यु के बाद भी अस्पताल का पूरा भुगतान न होने तक शव परिवजनों को न सौंपने जैसी शिकायतें इस व्यवस्था के मानवीय पक्ष पर और बढ़ा प्रश्न खड़ा करती हैं। चिकित्सा सेवा में पैसा आवश्यक हो सकता है, लेकिन मनुष्यता उससे बड़ी है। भारत की परंपरा में चिकित्सा को सेवा माना गया। मंदिरों, धर्मार्थ संस्थाओं और समाजसेवियों ने औषधालय चलाए, गरीबों को मुफ्त दवा दी। आज चिकित्सा विज्ञान ने

असाधारण प्रगति की है, लेकिन यदि इलाज इतना महंगा हो जाए कि बीमारी से बचने के बाद परिवार आर्थिक रूप से समाप्त हो जाए, तो विकास की दिशा पर पुनर्विचार जरूरी है। अब सरकार को केवल घोषणाएँ नहीं, बल्कि दवा की कीमत से लेकर अस्पताल के पैकेज, डॉक्टर की फीस, जांच, इम्प्लांट, फार्मसी और अंतिम बिल तक पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता लानी होगी। हर मरीज को दूसरी दुकान से दवा खरीदने की स्वतंत्रता, दवा की खरीद कीमत और मरीज से वसूली गई कीमत की स्पष्ट जानकारी तथा अनावश्यक उपचार के विरुद्ध स्वतंत्र शिकायत तंत्र मिलना चाहिए। न्यायपालिका का हस्तक्षेप स्वातंत्र्योपय है, लेकिन सवाल यह भी है कि अदालतों की टिप्पणियां और आदेश जमीन पर कितनी तेजी से लागू होते हैं। सरकार और नियामक संस्थाएं यदि समय पर कार्रवाई करें तो हर मामले को न्यायालय तक पहुंचाने की

जरूरत ही क्यों पड़े? स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार का अर्थ केवल नए अस्पताल और अत्याधुनिक मशीनें नहीं है।

असली विकास तब होगा जब गरीब और मध्यमवर्गीय व्यक्ति बीमारी को आर्थिक विनाश का पर्याय न समझे। आज जरूरत है कि सरकार, न्यायपालिका, डॉक्टर, अस्पताल, फार्मा उद्योग और समाज–सभी अपनी भूमिका को फिर से समझे। किसी युद्ध में बम और गोलियां मनुष्य को मारती हैं, लेकिन यदि स्वास्थ्य व्यवस्था में लालच हावी हो जाए तो बीमारी के बीच आर्थिक और मानसिक शोषण भी मनुष्य को भीतर से तोड़ देता है। इसलिए दवाओं और इलाज की लूट को केवल बाजार का विषय नहीं, मानव जीवन और सामाजिक न्याय का प्रश्न सरकार रोकना होगा। परना वह दिन दूर नहीं जब बीमारी से ज्यादा महंगे इलाज से लाखों लोगों की मौत हो जाएगी।

एशियाड में 10वां गोल्ड, मेडल टैली में सातवें नंबर पर पहुंचा भारत -एशियन गेम्स के 11वें दिन तीरंदाजी में 3, शूटिंग में 1 गोल्ड



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स के 11वें दिन 4 गोल्ड जीते। इनमें 3 गोल्ड तीरंदाजी और 1 शूटिंग में आया। इसके साथ भारत के 10 गोल्ड समेत 60 मेडल हो गए हैं। वह ईरान को पीछे छोड़कर मेडल टैली में 7वें नंबर पर पहुंच गया है। बुधवार को पहला गोल्ड विमेंस कंपाउंड आर्चरी टीम ने जीता। इसके बाद चिकिता

तनिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने मिक्सड कंपाउंड आर्चरी में गोल्ड जीता। नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी को शूटिंग में गोल्ड मिला। दिन का चौथा गोल्ड कंपाउंड आर्चरी के पुरुष टीम इवेंट में साहिल, गणेश और कुशल ने जीता।

भारत ने कंपाउंड आर्चरी के तीनों इवेंट में गोल्ड जीते। विमेंस टीम ने चीन को 238-234 से



हराकर अपने खिताब का बचाव किया। मिक्सड टीम फाइनल में चिकिता और साहिल का मुकाबला साउथ कोरिया की पार्क जंगयून और चोई योगही से था। भारत ने शूट-ऑफ में गोल्ड अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजेलिस ओलिंपिक के कंपाउंड मिक्सड टीम इवेंट के लिए कोटा भी हासिल किया। पुरुष टीम फाइनल में साहिल, गणेश और कुशल को टीम ने

चीन को 238-237 से हराया। भारत शुरुआती एंड में 58-60 से पीछे था, लेकिन इसके बाद भारतीय तीरंदाजों ने लगातार शानदार निशाने लगाए। फाइनल के बाद के 180 में भारत ने 180 अंक हासिल किए। साहिल ने अपने सभी 8 शॉट में 10 अंक बनाए, जबकि गणेश और कुशल ने भी दबाव के बीच लगातार 10 लगाए।

नीरू-किनान ने शूटिंग में दिलाया गोल्ड

ट्रेप मिक्सड टीम फाइनल में नीरू ढांडा और किनान चेनाई ने भारत को गोल्ड दिलाया। भारत ने शुरुआत में 10 में से 6 हिट किए थे और एक समय चार टीमों में सबसे नीचे था। इसके बाद दोनों ने एक भी टारगेट मिस नहीं किया और शानदार वापसी करते हुए गोल्ड जीता। भारत ने कतर को सिर्फ एक अंक से पीछे छोड़ा। चीन ने ब्रॉज जीता। नीरू का यह इन गेम्स में दूसरा गोल्ड है। इससे एक दिन पहले उन्होंने विमेंस ट्रेप इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड जीता था।

हॉकी में साउथ कोरिया को 2-0 हराकर फाइनल में भारत

भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारत के लिए इशिका ने पेनल्टी कॉर्नर की वैरिशन पर गोल किया, जबकि कसान सलिमा ने दूसरे हाफ में बढ़त दोगुनी की। अब भारत का गोल्ड मेडल मैच चीन से होगा। यह मुकाबला 2 अक्टूबर को खेला जाएगा।

भारत की प्रिया घंधास को एशियाई खेलों की मुक़ेबाजी में कांस्य मिला



नागोया (एजेंसी)। भारतीय महिला मुक़ेबाज प्रिया घंधास को चीनी मुक़ेबाज यांग चेंगयु के हाथों मिली हार के साथ ही एशियाई खेलों में कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा है। प्रिया को महिलाओं की 60 किलोग्राम भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में चीन की यांग चेंगयु के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारा हुआ घोषित कर दिया गया। प्रिया ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी थी और उन्हें अपने आक्रामक खेल के चलते फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर चीनी मुक़ेबाज उनपर भारी पड़ गयीं।

सेमीफाइनल में चीनी मुक़ेबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। इसके जवाब में प्रिया ने भी हमले किये। पहले राउंड के दूसरे हाफ में भारतीय मुक़ेबाज कुछ प्रभावी कॉम्बिनेशन लगाए। प्रिया के कुछ बेहतरीन एक्सचेंजों के बावजूद, जजों

ने पहले दौर में 3-2 के करीबी अंतर से चीनी मुक़ेबाज यांग को विजयी करार दिया। इसके बाद प्रिया ने दूसरे दौर में आक्रामक रुख अपनाते हुए स्कोर के अंतर को कम करने के पूरे प्रयास किये। वहीं यांग संतुलित रहीं और उसने भारतीय मुक़ेबाज को कोई अवसर नहीं दिया। यांग ने कई असरदार पंचों के साथ ये दौर 4-1 से जीता, इससे प्रिया अंतिम तीन मिनट में काफी पीछे रह गईं।

वहीं तीसरे और निर्णायक दौर में प्रिया ने टेम्पो बढ़ने को कोशिश की, पर यांग ने बार-बार दूरी कम की और भारतीय मुक़ेबाज के कई हमलों को प्रभावी ढंग से रोका। प्रिया ने मौके तलाशने जारी रखे, लेकिन यांग का डिफेंस अनुशासित बना रहा और उन्होंने कोई मौका नहीं दिया। आखिरकार, यांग ने यह दौर भी 4-1 से जीतकर मुकाबला 4-1 के विभाजित फैसले से अपने नाम करते हुए फाइनल में जगह बनायी। इस हार के साथ ही प्रिया का एशियाई खेलों में सफर कांस्य पदक के साथ पूरा हुआ।

महिला प्रीमियर लीग : 63 खिलाड़ी बरकरार, 27 स्लॉट खाली, नीलामी में यूपी वॉरियर्स का पर्स सबसे बड़ा

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सीजन के लिए टीमों की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित खिलाड़ी रिटेंशन की समयसीमा समाप्त होने के साथ ही, सभी पांचों फ्रेंचाइजी ने अपने रिटेंशन और रीलीज किए गए खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी कर दी है। इस प्रक्रिया में कई अप्रत्याशित और चौंका देने वाले फैसले सामने आए हैं, जिनमें सबसे बड़ा नाम गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) द्वारा ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक बल्लेबाज ग्रेस हेरिस को रीलीज करना है। 28 अक्टूबर को कोविच में होने वाली 2027 डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले, पांचों टीमों ने कुल 63 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है, जिनमें 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। बीसीसीआई के अनुसार, नीलामी से पहले कुल 27 स्थान खाली हैं, जिनमें 7 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह बची हुई है। इन खाली स्थानों को भरने के लिए टीमों एंडी-चोटी का जोर लगाती नजर आएंगी। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी कोर टीम को मजबूत बनाए रखने पर ध्यान दिया है। टीम के लिए सबसे बड़ी और राहत की खबर ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी की उपलब्धता है। पेरी, जो पिछले सत्र में आरसीबी के खिलाड़ी अभियान का हिस्सा नहीं बन सकी थी, उन्होंने अगले सत्र के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। उनकी वापसी से टीम का संतुलन काफी मजबूत होगा। दूसरी तरफ आरसीबी ने ग्रेस हेरिस समेत कुल चार खिलाड़ियों को रीलीज करने का कड़ा फैसला लिया है।

वित्ता ने एशियाई खेलों में दो पदक जीतकर उषा का रिकॉर्ड तोड़ा



आईवी। भारत की वित्ता रामराज ने जापान में जारी एशियाई खेलों 2026 में दो पदक जीतकर दिग्गज धाविका पी टी उषा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। तमिलनाडु के कोयंबटूर की इस एथलीट ने न केवल दो प्रतिष्ठित पदक अपने नाम किए, बल्कि महान एथलीट उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिया। कड़ी मेहनत और अटूट लगन से ये सफलता हासिल कर वित्ता ने युवाओं के लिए उदाहरण पेश किया है। वित्ता ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में, संयुक्त अरब अमीरात की मरियम करीम ने 54.31 सेकंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीत जबकि कजाकिस्तान की एडेलिना जेम्स ने 54.58 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ ही रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले, वित्ता एशियाई खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा की टीम का भी एक महत्वपूर्ण सदस्य थीं, जहाँ भारतीय टीम ने रजत पदक जीता। वित्ता के लिए 400 मीटर बाधा दौड़ का कांस्य पदक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दौड़ में उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 54.75 सेकंड का समय निकालकर ये हासिल किया था। इससे वह 1984 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक में उषा द्वारा बनाए गए 55.42 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से आगे निकल गयी है। टूक झ्रवर पिता की बेटी वित्ता के लिए यह सफलता रातों-रात नहीं आई है, बल्कि यह वर्षों के संघर्ष और त्याग का परिणाम है। उनके और उनके परिवार ने बचपन में अनगिनत आर्थिक कठिनाइयों और अपातों का सामना किया। परिवार में हमेशा सुख-सुविधाओं की कमी रही, लेकिन वित्ता और उनकी जुड़वा बहन नित्या, जो खुद भी एक प्रसिद्ध एथलीट हैं, ने कभी हार नहीं मानी।

प्रज्ञान ओझा बन सकते हैं बीसीसीआई चयन समिति के नये अध्यक्ष

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर तक का ही है। ऐसे में चार अक्टूबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना बैठक में प्रज्ञान के नाम की घोषणा हो सकती है। अभी ओझा चार सदस्यीय चयन समिति के अंतरिम प्रमुख की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। गत दिवस गुवाहाटी में बोर्ड की एक अहम बैठक में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ ही ओझा, शिव सुंदर दास, अजय रात्रा और आरपी सिंह बैठक में उपस्थित थे। वहीं अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं थे जिससे बाद से ही ये साफ हो गया कि अब उनका कार्यकाल आगे नहीं बढ़ेगा।

यह बैठक मुख्य रूप से भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे के लिए खिलाड़ियों के



चयन और टीम संयोजन के लिए बुलायी गयी थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड में 22 अक्टूबर से पांच टी20 मैचों के साथ ही 4 नवंबर से पांच एकदिवसीय और 19 नवंबर से दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय ए टीम को भी न्यूजीलैंड दौरे पर तीन

टेस्ट मैच खेलने हैं। ओझा का लंबा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव उन्हें इस पद के लिए एक मजबूत दावेदार बनाता है। उन्होंने टीम इंडिया के लिए 24 टेस्ट, 18 एकदिवसीय और 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में उनकी गहरी क्रिकेट

समझ को ही अंतरिम तौर पर चयन समिति की कमान सौंप जाने का मुख्य कारण माना जा रहा है। मौजूदा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर का बीसीसीआई के साथ मौजूदा कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त होना है, और उन्होंने बोर्ड को पहले ही सूचित कर दिया था कि वे इस पद पर आगे जारी नहीं रहेंगे।

आने वाले समय में भारतीय चयनकर्ताओं के सामने कई महत्वपूर्ण फैसले होंगे। न्यूजीलैंड दौरे के अलावा, 2027 एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों को भी ध्यान में रखना होगा। ऐसे में खिलाड़ियों के वर्कलोड प्रबंधन, उनकी उपलब्धता और अलग-अलग फॉर्मेट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम संयोजन पर गहन विचार-विमर्श करना होगा। फिलहाल प्रज्ञान ओझा को केवल अंतरिम जिम्मेदारी मिली है, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार, उन्हें स्थायी रूप से भी इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया जा सकता है।

एशियन गेम्स 2026: भारतीय क्रिकेट टीम का सेमीफाइनल 1 अक्टूबर को श्रीलंका से

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के निशिन में चल रहे एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सेमीफाइनल मुकाबले की तस्वीर अब साफ हो गई है। पिछली बार की गोल्ड मेडलिस्ट भारतीय टीम 1 अक्टूबर को सेमीफाइनल में श्रीलंका का सामना करेगी। श्रीलंका ने नेपाल के खिलाफ अपना क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद बेहतर टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग के आधार पर अंतिम चार में जगह बनाई है। यह मुकाबला जापान के निशिन में खेला जाएगा।

एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट नॉकआउट चरण पर लगातार बारिश का गहरा असर देखने को मिल रहा है। श्रीलंका और नेपाल के बीच क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने वाला यह लगातार तीसरा मैच था। नेपाल ने टूर्नामेंट के पिछले चरण में अफगानिस्तान जैसी मजबूत टीम को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द होने और श्रीलंका की बेहतर रैंकिंग के चलते उसका सफर यहीं समाप्त हो गया। मैच रद्द होने की स्थिति में बेहतर रैंक वाली टीम को अगले

दौर में भेजने के नियम के तहत श्रीलंका ने अंतिम चार में जगह बनाई है। अब श्रीलंका का सामना भारत से होगा। भारत पिछली एशियन गेम्स का गोल्ड मेडलिस्ट है और इस बार भी टीम खिताब की दौड़ में बनी हुई है।

इसी तरह, साहिबजादा फरहान की कसानी वाली पाकिस्तान टीम ने भी हांगकांग, चीन के खिलाफ बारिश से प्रभावित क्वार्टरफाइनल के बाद सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की है। अब सबकी निगाहें चौथे क्वार्टरफाइनल पर हैं। यदि वह मुकाबला

भी बारिश के कारण रद्द होता है, तो बेहतर रैंकिंग के आधार पर बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंचेगा और मलेशिया का अभियान समाप्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति में, पाकिस्तान का सामना बांग्लादेश से होगा। भारत और श्रीलंका सहित एशियन गेम्स 2026 के सभी सेमीफाइनल मुकाबले 1 अक्टूबर को खेले जाने हैं। यदि सेमीफाइनल में बारिश के कारण रद्द हो जाते हैं, तो टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार बेहतर रैंक वाली टीमों सीधे फाइनल में पहुंच जाएंगी।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में कुलदीप और कोहली को हुआ लाभ

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताज एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को लाभ हुआ है और वह चार स्थान ऊपर आये हैं। वह अब गेंदबाजों की रैंकिंग में पांचवें नंबर पर आ गए हैं। वहीं बल्लेबाज विराट कोहली को भी एक स्थान का लाभ हुआ है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की थी। बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोहली एक स्थान ऊपर आये हैं। अब विराट दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली से आगे अब केवल शुभमन गिल हैं। वहीं न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेविड मिलनेल को

नुकसान पहुंचा है। वह बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में अब तीसरे नंबर पर फिसल गए हैं। वहीं भारत के रोहित शर्मा की पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह चौथे नंबर पर बने हुए हैं। श्रीलंका के बल्लेबाज कुशल वनडेस क्रिकेट में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने तीन पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। मॅडिस को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 121 रनों की शानदार पारी का इनाम मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल होने से महज एक पायदान दूर हैं। वह ताजा रैंकिंग में 11वें नंबर पर आ गए हैं।

आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर 10वें नंबर पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलने वाले टेंबा बलुगु ने 10 पायदान ऊपर की छलांग लगाई है और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें नंबर पर आ गए हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 19 पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। डेविड मिलर 142 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही 41वें नंबर पर आ गए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने तीन पायदान की छलांग लगाई है और वह अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।



हॉलीवुड अभिनेता जॉनसन ने डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर सैटरली के निधन पर दुख जाया

इलिनोइस। हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और पूर्व प्रोफेशनल रेसलर डूवेन द रॉक जॉनसन ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में नेविल और पीएसई के नाम से लोकप्रिय हुए ब्रिटिश रेसलर बेंजामिन सैटरली के निधन पर दुख जाया है। सैटरली का 40 साल की उम्र में ही निधन होने पर जॉनसन ने कहा कि पेशेवर कुश्ती भले ही वैश्विक स्तर पर एक विशाल खेल हो पर इससे जुड़े लोग आज भी एक-दूसरे के बेहद करीब हैं, और किसी साथी को खोना सभी के लिए अत्यंत दुःख होता है। सोशल मीडिया में एक भावुक वीडियो साझा करते हुए जॉनसन ने कहा, यह बात कहते हुए मेरा दिल दर्द का अनुभव कर रहा है। मैं सैटरली परिवार के लिए अपना प्यार और समर्थन भेजना चाहता हूँ। अपने प्रियजन को खोने के दर्द से गुजर रहे परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। सैटरली के कुश्ती करियर को याद करते हुए जॉनसन ने बताया, मैं उनसे मिला था और हाथ भी मिलाया होंगी।



नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आखें और ‘ताल’ का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून

- नैनिताल नैना झील :** यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।
- नैना देवी मंदिर :** इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।
- हिल स्टेशन :** बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।
- प्राणी उद्यान नैनिताल :** पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद् स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
- हनुमानगढ़ी नैनिताल :** यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है। इसके अलावा गर्वनर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

- उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद हैं। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती हैं। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।
- माता पार्वती है नंदा देवी:** उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते हैं और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
 - गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन:** नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने



अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां हैं जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

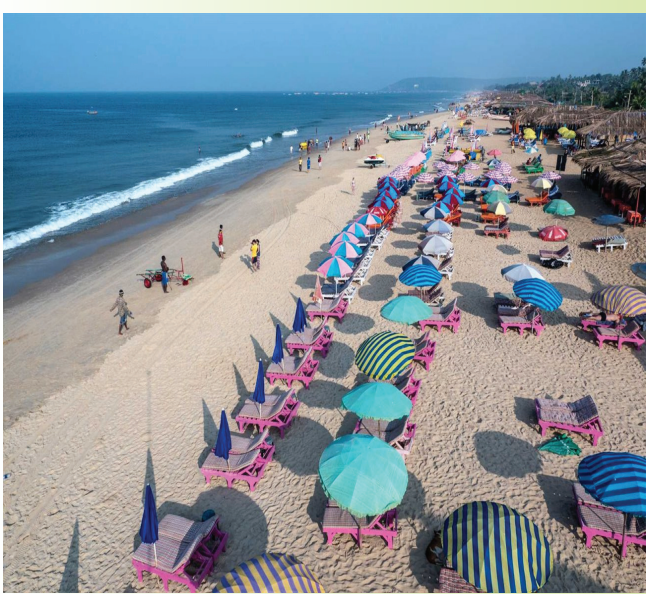
अल्मोड़ा हिल स्टेशन

- अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूनागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोर्डेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
- अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
- अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आदंद ले सकते हैं। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
- अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविश्वसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल I, त्रिशूल II, त्रिशूल III, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
- अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटेन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।

- ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।
- सबसे ऊंची चोटी:** नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
 - 12 वर्ष में एक बार यात्रा:** नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कूल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
 - हिमालयी कुंभ:** चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
 - आदि शंकराचार्य ने की थी यात्रश की शुरुआत:** नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
 - यात्रा का प्रारंभ और अंत:** नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट

की ऊंचाई पर स्थित है।

- रोमांचक और खतरों से भरी होती है ये यात्रा:** इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभ्यारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
- 19 दिन लगते हैं यात्रा पूर्ण होने में :** इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
- यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाड़:** इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाड़ (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाड़ आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।



देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते हैं तो भारत में ऐसी सैंकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाए हैं भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें

- गोवा : समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।
- चंबा : उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।
- दार्जिलिंग : ‘क्रीन ऑफ हिल्स’ के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी हैं। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।
- शिमला : शिमला जाए या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।
- ऊटी : तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देगी।
- लक्षद्वीप : 32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्षद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरे और लंबे लेगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।
- उदयपुर : उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।
- पचमढी : होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।
- लोनावला : महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।
- श्रीनगर : कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।



कटुआ में सीआईएसएफ जवानों के बीच गोलीबारी, चार की मौत

-जवान ने कमांडेंट समेत 4 साथियों को 15-15 गोलियां मारीं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के कटुआ जिले के बसोहली क्षेत्र स्थित एनएचपीसी के माशका सेवा-2 जल विद्युत परियोजना में मंगलवार को सीआईएसएफ जवानों के बीच हुई गोलीबारी में चार जवानों की मौत हो गई। मृतकों में असिस्टेंट कमांडेंट अंकित कुमार पांडे, सब इंस्पेक्टर लक्ष्मण सिंह, कॉन्स्टेबल रफीक अहमद और सदीप कुमार शामिल हैं। घटना के तुरंत बाद सभी घायल जवानों को इलाज के लिए हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के खैरी स्थित एनएचपीसी के चमेरा वायर स्टेशन-1 के परियोजना अस्पताल में लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गोलीबारी के आरोपी हेड कॉन्स्टेबल अवधेश कुमार को हिरासत में ले लिया गया है। कटुआ की एसएसपी मोहिता शर्मा ने जानकारी दी कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 4 बजे हेड कॉन्स्टेबल अवधेश कुमार ने अपनी सर्विस राइफल से साथी कर्मियों पर 10 से 15 गोलियां चलाईं। सूत्रों से पता चला है कि आरोपी सहायक कमांडेंट और अन्य साथियों से झूठी संबंधी विवादों को लेकर नाराज था। इससे पहले भी उसकी कई बार बहस हो चुकी थी। घटना के बाद परियोजना अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। चूंकि घटना जम्मू-कश्मीर में हुई है, हिमाचल प्रदेश पुलिस ने इस पर आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, डलहौजी से डीएसपी समेत पुलिस की एक टीम अस्पताल भेजी गई थी। बताया जा रहा है कि चारों शवों को पोस्टमॉर्टम बसोहली में ही किया जाएगा। घटना की जानकारी मिलते ही सीआईएसएफ के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और आरोपी कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है।

सीईसी के घर कालिख पोतने के मामले में छह कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के दिल्ली स्थित आवास पर कालिख पोतने के मामले में छह कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने इन कार्यकर्ताओं के खिलाफ हत्या के प्रयास और दंगा सहित भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी 20 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उसके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर घर के गेट और दीवारों पर काले रंग से नारे लिखने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए लोगों में कांग्रेस नेता अनिल यादव, मुकेश धांगर, मनोज गौड़, राजेश कुमार, राजा गौतम और पंकज चौधरी शामिल हैं। इन सभी को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उप निरीक्षक गोवर्ध गुप्ता की शिकायत पर हरिपदत थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अमित सिंह ने इन गंभीर धाराओं को गलत और अनावश्यक बताया है। उन्होंने कहा कि मामला केवल विरोध प्रदर्शन से संबंधित धाराओं तक सीमित रहना चाहिए था।

प्रिंसिपल की घिनौनी करतूत : 15 साल की छात्रा से यौन उत्पीड़न, एफआईआर दर्ज

चिकबल्लापुर (एजेंसी)। कर्नाटक के चिकबल्लापुर जिले में सरकारी रेजिडेंशियल स्कूल से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। शिडलश्रुता तालुक के गोरलुसमहल्ली स्थित मोरारजी देसाई मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल के प्रिंसिपल ईश्वर रेड्डी पर 9वीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न करने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है। यह सनसनीखेज घटना 26 सितंबर को दोपहर करीब ढाई बजे स्कूल के मेडिसिन रूम में घटी। शिकायत के मुताबिक, पीड़िता छठी कक्षा की एक बीमार छात्रा को दवा देने गई थी। इसी दौरान प्रिंसिपल ने छात्रा को कमरे के अंदर बुलाया, उसके साथ आपत्तिजनक हरकत की और यौन उत्पीड़न किया। आरोपी प्रिंसिपल ने पीड़िता को धमकी दी थी कि यदि उसने इस बारे में किसी को बताया, तब परिणाम भुगतान होगा। डरी-सहमी छात्रा ने यह बात अपने सहपाठियों को बात दी। इसके बाद इसकी जानकारी शिक्षकों और परिजनों तक पहुंची। 27 सितंबर को माता-पिता स्कूल पहुंचे और पूरी जानकारी मिलने पर वे पुलिस की शरण में पहुंचे। इसके बाद 28 सितंबर को बाल कल्याण अधिकारियों की उपस्थिति में चिकबल्लापुर में पीड़िता का बयान दर्ज किया गया।

आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से झटका, पत्नी से मिलने के लिए 20 दिन की अंतरिम जमानत खारिज

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने 2013 के दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 वर्षीय आसाराम की 20 दिन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। आसाराम ने अस्पताल में भर्ती 83 वर्षीय पत्नी से मिलने के लिए मानवीय आधार पर राहत मांगी थी। सुनवाई के दौरान पुलिस की रिपोर्ट और इलाज कर रहे डॉक्टरों के बयान में बताया गया कि उनकी पत्नी की हालत स्थिर है, उपचार का अच्छा असर हो रहा है और अगले दो-तीन दिनों में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। राज्य सरकार ने इसी आधार पर जमानत का विरोध किया।

हार के बाद ईवीएम पर ठीकरा फोड़ रहा इंडिया गठबंधन: रामचंद्र राव

केरल में कांग्रेस नेता ने एसआईआर की तारीफ की थी

हैदराबाद , एजेंसी।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष रामचंद्र राव ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाया है कि वे चुनाव हारने पर ईवीएम, चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर दोष देते हैं। हैदराबाद में प्रेस वार्ता के दौरान, राव ने विपक्षी दलों पर देश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाकर कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ उन राज्यों में एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है जहाँ भाजपा की जीत हुई है, जबकि उनके शासित राज्यों में वे इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष राव ने याद दिलाया कि 2018 से ही इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेता, जिसमें अभिषेक मनु सिंघवी, जवाहर सरकार और सचिन पायलट जैसे नाम शामिल हैं, स्वयं भारत सरकार और चुनाव आयोग से एसआईआर कराने तथा फर्जी व मृत मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की मांग करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब वहाँ



कांग्रेस पार्टी अचानक इस मामले को मुद्दा बना रही है, जबकि वोटों को हटाने का काम बीएलओ की रिपोर्ट के आधार पर ही होता है। राव ने केरल का उदाहरण देकर कहा कि कांग्रेस नेता रमेश चैत्रिथला ने खुद स्वीकार किया था कि वे एसआईआर की वजह से चुनाव जीते, नहीं बहुत सारे फर्जी वोट पड़ते।

उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस केरल में एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल क्यों नहीं उठा रही, जहाँ उन्हें जीत मिली है? राव ने लोगों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं पर से उनका भरोसा उठाने की कांग्रेस की कोशिश बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं के साथ खड़ी है

और उनके सम्मान व भरोसे को कायम रखने के लिए इस नकारात्मक राजनीति का मुंहतोड़ जवाब देगी।

इस दौरान, राव ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के उस दावे को खारिज किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा के शासन में मुस्लिम नेतृत्व नहीं पनप रहा है। राव ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के भाजपा के मंत्र पर कहा कि पार्टी विकास या राजनीति को किसी धार्मिक आधार पर नहीं देखती। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और ओवैसी देश को धार्मिक आधार पर बांटने का काम कर रहे हैं। राव ने ओवैसी को नेतृत्व के बजाय मुसलमानों के विकास की बात करने की सलाह दी, यह भी बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बनाया था और अल्पसंख्यकों के विकास के लिए भारी रकम आवंटित की जा रही है।

विजय थलपति ने पश्चिम बंगाल में खोला पार्टी का दफ्तर

दूसरे भाजपा राज्यों में भी खुलेंगे टीवीके के ऑफिस

कोलकाता, एजेंसी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की नवगठित पार्टी, तामिलनाडु वेत्तरी कडगम (टीवीके) की नजरे अब अपने गृह राज्य से बाहर दूसरे राज्यों पर भी टिकती दिख रही हैं। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल में टीवीके के नाम से एक दफ्तर खोला गया है, हालांकि पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इस कदम से दूरी बना ली है, लेकिन इससे जुड़ी गतिविधियों पर उसने कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की है। माना जा रहा है कि टीवीके अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी कार्यालय खोलने पर विचार कर रही है। पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के फागपुर में रंजिवार को यह दफ्तर खोला गया। इस दौरान चैताली रॉय को पश्चिम बंगाल में पार्टी का संयोजक बनाया गया। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से कई कार्यकर्ता शामिल हुए थे। हालांकि, इन खबरों के बीच टीवीके ने खुद को इस फैसले से दूर बताया है, लेकिन बंगाली शुभचिंतकों को शुभकामनाएं भी दी हैं। वेबसाइट से बातचीत में पार्टी के प्रवक्ता एस.डी. तुहिनसैमुअल ने कहा कि फिलहाल टीवीके का तमिलनाडु से बाहर विस्तार का कोई प्लान नहीं है। इसके बावजूद, पश्चिम बंगाल में टीवीके के स्थानीय नेताओं

का दावा है कि उन्हें तमिलनाडु से राज्य में अपनी सक्रियता बढ़ाने के निर्देश मिले हैं। इन निर्देशों में सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने पर जोर दिया गया है, जिसके चलते ही बंगाल में भी संगठन विस्तार के लिए सामाजिक कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। बंगाल के नेताओं ने आगामी दिनों में जिले के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित करने की योजना की बात की है। पश्चिम बंगाल में टीवीके की संयोजक चैताली रॉय ने अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा कि शुरुआत में सोशल मीडिया के जरिए प्रचार किया जाएगा। इसके बाद लोगों की समस्याओं और लाभ के मुद्दों को सुनने के लिए जनसंपर्क अभियान पर जोर दिया जाएगा। रॉय ने पार्टी के मुख्य लक्ष्यों के रूप में शिक्षा और रोजगार को बताया। उन्होंने यह भी इच्छा व्यक्त की टीवीके चुनावों में उतरे, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अंतिम निर्णय बंगाल की जनता की इच्छा और शीर्ष नेतृत्व के फैसले पर निर्भर करेगा। रॉय के हवाले से यह भी कहा जा रहा है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय वर्तमान में उपचुनावों में व्यस्त हैं और अगर उन्हें सफलता मिलती है, तो वह निश्चित रूप से पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। उन्होंने बंगाल में पार्टी के समर्थकों की संख्या 5 हज़ार से अधिक होने का दावा किया है।

इस बार यूपी में पीडीए की सरकार बनेगी, बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी

-सपा सांसद अवधेश प्रसाद का दावा, देश गंभीर स्थिति का सामना कर रहा

अयोध्या, एजेंसी।

समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने इंडिया ब्लॉक की बैठक और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। सांसद ने दावा किया कि इस बार पीडीए की सरकार बनेगी और बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। इसी गठबंधन की बड़ी बैठक पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि देश एक गंभीर और चिंताजनक स्थिति का सामना कर रहा है। युवाओं और छात्रों पर लाठीचार्ज, फायरिंग, आर्गु गैस के गोले दोगे जा रहे हैं। छात्रों ने जायज मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर महीने भर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बावजूद सरकार ने उनकी मांगों को सुनने के बजाय अड़ियल रवैया अपनाया। उन्होंने कहा कि किसानों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली का भारी संकट है और कई इलाकों में रात के समय बिजली नहीं रहती। महंगाई लगातार



बढ़ रही है और हमारी अर्थव्यवस्था अमेरिका पर निर्भर हो गई है। हमारी विदेश नीति कमजोर हुई है, लेकिन इस पर कोई उचित कार्रवाई नहीं हो रही है। भ्रष्टाचार और हत्याएं भी बढ़ रही हैं। इन हालात में यह बैठक बहुत अहम है। अखिलेश यादव के चुनावी मैनifestो पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि महिलाओं को 40,000 रुपए और लैपटॉप दिए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में बंद हुए 28,000 स्कूल फिर से खोले जाएंगे और शिक्षा का स्तर सुधारा जाएगा। किसानों को मदद और मुफ्त

बिजली मिलेगी। इन सभी बातों का जिक्र हमारे घोषणा-पत्र में है। हमारे लिए चुनावी घोषणा-पत्र किसी धार्मिक ग्रंथ की तरह है और यह हमारे और हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए बाध्यकारी है। सरकार बनने के बाद घोषणा-पत्र में कही गई हर बात को लागू किया जाएगा। सपा सांसद ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, सीएम योगी की पेशानी बढ़ती जा रही है। इस बार पीडीए की सरकार बनेगी और बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। मुख्यमंत्री को अपनी राजनीतिक पहचान से जुड़े मुद्दों की तो चिंता है, लेकिन राज्य की जनता की समस्याओं की कोई परवाह नहीं है। उन्हें लोगों के कल्याण, विकास या भलाई की कोई चिंता नहीं है। राज्य में किसानों की आत्महत्या, बढ़ते अपराध और मौतों को लेकर चिंता है, लेकिन इन मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों को सजा दिलाएगा इंडिया ब्लॉक: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया ब्लॉक भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों को सजा दिलाता सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि संबंधित लोगों का पद या वरिष्ठता मायने नहीं रखती, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र देश के हर नागरिक से बड़ा है। नई दिल्ली के कॉन्स्ट्रक्शून क्लब में इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं ने मिलकर संविधान की रक्षा करने की जिम्मेदारी ली है। राहुल गांधी ने कहा कि बैठक में

चुनावों में कथित 'वोट चोरी' का मुद्दा प्रमुखता से उठा। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दलों का मानना ​​है कि भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता है कि लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष जनता तक यह बात पहुंचाने में काफी हद तक सफल रहा है कि चुनावों में कथित

अनियमितताओं को लेकर गंभीर सवाल हैं। उनके मुताबिक, युवाओं के बीच भी इन मुद्दों को लेकर असंतोष और प्रतिरोध की भावना दिख रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को लगता है कि देश में जो कुछ हो रहा है, उसमें बदलाव की जरूरत है। राहुल गांधी ने विपक्षी नेताओं को संविधान का सामूहिक रक्षक बताते हुए कहा कि सभी दलों के साथ मिलकर काम करना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले महीनों में विपक्ष देश में बड़े बदलाव लाएगा।

इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेताओं ने बैठक में चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उठाए जा रहे सवालों और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की रणनीति पर चर्चा की। कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने की मांग दोहरा दी। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग के रवैये पर सवाल उठाकर कथित तौर पर त्रुटिपूर्ण और पक्षपातपूर्ण बताया। बैठक का उद्देश्य इन मुद्दों पर विपक्षी दलों को एकजुट करना और आगे के साझा कार्यक्रमों की रणनीति तय करना था।



सौरभ भारद्वाज और जरनेल सिंह सहित आप कार्यकर्ताओं पर एफआईआर, पुलिसकर्मी से मारपीट का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज, विधायक जरनेल सिंह और पार्टी के कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक पुलिसकर्मी से कथित मारपीट और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 221, 132 और 115(2) के तहत दर्ज हुआ है। पुलिस के मुताबिक, घटना पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में हुई, जब आप नेता पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ वहां पहुंचे थे। आरोप है कि सादे कपड़ों में मौजूद एक पुलिसकर्मी इलाके में वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। इसी दौरान कुछ आप समर्थकों ने पुलिसकर्मी को धेरकर उसके साथ कथित तौर पर मारपीट की। घटना के बाद पुलिसकर्मी को चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले को लेकर आम आदमी पार्टी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कथित झड़प के मामले में एफआईआर दर्ज कर रविवार को हुई थपड़ मारने की घटना से ध्यान भटकाने की कोशिश की है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी पार्टी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की आलोचना की और पुलिस पर कार्रवाई में भेदभाव का आरोप लगाया। दरअसल, तिलक नगर में निरीक्षण के दौरान एक 22 वर्षीय युवक को कथित तौर पर थपड़ मारने के मामले में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ भी पुलिस ने असंज्ञेय रिपोर्ट (एनसीआर) दर्ज की है।



सरकारी ठेकों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था, क्योंकि रेट सरकारी अधिकारी तय करते थे। उनकी सरकार ने ऑनलाइन ऑक्शन की व्यवस्था शुरू की, जिससे राजस्व दोगुना या तिगुना हो गया और पारदर्शिता आई। उन्होंने कहा कि जो ज्यादा बोली लगाएगा, वही ठेके ले जाएगा, यह एक सीधी और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था है। जेल से सरकार चलाने के मुद्दे पर केजरीवाल ने कहा कि विपक्षी ताकतें जानबूझकर मुख्यमंत्रियों पर फर्जी मुकदमे

कर उन्हें गिरफ्तार करवाती हैं, ताकि उनकी सरकारें गिराई जा सकें। उन्होंने दावा किया कि वे इस रणनीति का मुकाबला करना चाहते थे कि गिरफ्तारी के बावजूद इस्तीफा नहीं देंगे और सरकार जेल से ही चलाएंगे। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की टिप्पणी का भी हवाला दिया कि सरकार जेल से क्यों नहीं चल सकती। उन्होंने इस संदर्भ में कुछ अन्य मुख्यमंत्रियों की सरकारों का भी उल्लेख किया जिन पर इसी तरह के आरोप लगाकर कार्रवाई की

गई थी। केजरीवाल ने मतदाता सूची में कथित हेरफेर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर एसडीएम की वोट जोड़ने या हटाने की शक्ति को एक सॉफ्टवेयर के माध्यम से कुछ इलाकों में हटा दिया गया है। उन्होंने गोवा का उदाहरण दिया, जहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी को बार-बार पत्र लिखकर लोगों के नाम जोड़ने की गृहार लगायी पड़ रही थी, जबकि यह शक्ति स्थानीय एसडीएम के पास होनी चाहिए थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दिल्ली में बैठे लोग ममता के ढंग से वोट हटाते या जोड़ते रहे, तो सरकारें बदल नहीं पाएंगी और लोकतंत्र का सत्यानाश हो जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि जनता सरकार से असंतुष्ट होने पर उसे बदल सकती है। उन्होंने बताया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने इस पूरी प्रक्रिया पर नज़र रखने के लिए एक बड़ी टीम बनाई है।

गौरव गोगोई का बीजेपी-एआईडीयूएफ पर हमला, मुश्किल में पड़ते ही अजमल को बुलाते हैं हिमंत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में चुनावी सरगमियों के बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईडीयूएफ) और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हुआ है। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और एआईडीयूएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल पर निशाना साधकर दोनों दलों के बीच 'गुप्त तालमेल' का आरोप लगाया। कोलमैबुड़ी में कांग्रेस उम्मीदवार शिवमणि बोरा के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में गोगोई ने कहा कि जब भी मुख्यमंत्री शर्मा

मुश्किल में पड़ते हैं, वह 108 एंजलेंस सेवा की तरह अजमल को बुलाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और एआईडीयूएफ गरीब लोगों का राजनीतिक इस्तेमाल करने के लिए साथ काम कर रहे हैं, जबकि उनके नेता मुंबई और दुर्बई में अपनी संपत्ति बढ़ा रहे हैं। गोगोई ने धुबरी लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कहा कि 2024 में वहां की जनता ने अजमल को करीब 10 लाख मतों से हराया था। उन्होंने 2016 में दक्षिण सलमारा सीट से कांग्रेस नेता वाजेद अली चौधरी द्वारा अजमल को हराए जाने का भी उल्लेख किया। कांग्रेस नेता गोगोई ने आरोप

लगाया कि अब सीएम शर्मा एआईडीयूएफ को राजनीतिक रूप से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार देवाशीष शर्मा पर आरोप लगाकर कहा कि जिला आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल में निंदेय लोगों को कथित तौर पर बांग्लादेश भेजा गया तथा बेदखली अभियानों के जरिए लोगों को परेशान किया गया। गोगोई ने मुख्यमंत्री पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के कार्यकाल का भी उल्लेख किया और मतदाताओं से कांग्रेस उम्मीदवार शिवमणि बोरा के समर्थन की अपील की।



भाजपा का कांग्रेस पर हिंदू समाज को बांटने का गंभीर आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री खंडे रैड्डी के उस बयान पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है, जिसमें उन्होंने राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताया था। भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत से हिंदू समाज को विभाजित करने के हर षड्यंत्र में शामिल रहती है। बीजेपी सांसद त्रिवेदी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नास्तिक बातकर कहा कि उन्होंने 2014 के चुनाव में ईश्वर के नाम की शपथ ली, लेकिन 2024 में अंग्रेजी में शपथ ली। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री खंडे रैड्डी जुबली हिल्स के उपचुनाव में



पहले ही कांग्रेस मतलब मुसलमान और मुसलमान मतलब कांग्रेस का उद्घोष कर चुके हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर हिंदू समाज को दक्षिण और उत्तर में विभाजित करने का भी प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक के वित्त मंत्री डीके शुरेश के दक्षिण ज्यादा टैक्स दे रहा है और पी. चिदंबरम के उत्तर भारत नहीं होता, तब दक्षिण बहुत प्रगति करता जैसे बयानों का हवाला

दिया। त्रिवेदी ने खंडे रैड्डी के हम द्रविड़ियन हैं और वे आर्यन हैं वाले बयान को मुख्तापूर्ण और निराधार सिद्धांत करार दिया। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस प्रांतों, भाषा और फिर जाति के आधार पर भी विभाजन करना चाहती है। उन्होंने राहुल गांधी के स्मेश पेटीआर्की (पितृसत्ता को तोड़ो) बयान का जिक्र कर कहा कि यह सिर्फ हिंदू समाज के लिए है, क्योंकि जब केरल का गेंड मुफ्ती कहता है कि महिलाओं को तिजोरी में नेकलेस की तरह रखना चाहिए, तब कांग्रेस नेता चुप रहते हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर भगवानों को भी विभाजित करने का आरोप लगाकर उसकी विभाजनकारी राजनीति की कड़ी निंदा की।

पाक एयरस्पेस का विकल्प बनेगा लेह-होतान रूट

● चीन से बातचीत शुरू, नए रूट से सीधे पश्चिमी देश जा सकेंगे भारतीय विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने से यूरोप और उत्तरी अमेरिका जाने वाली भारतीय एयरलाइंस को लंबा रूट लेना पड़ रहा है। इससे उड़ान का समय 45 मिनट से 2 घंटे तक बढ़ गया है। ईंधन के साथ ऑपरेशनल खर्च भी बढ़ गया है। इसके विकल्प के तौर पर भारत चीन के होतान एयर रूट पर बातचीत कर रहा है। प्रस्तावित रूट दिल्ली/मुंबई, लेह, होतान, किर्गिस्तान, यूरोप, ब्रिटेन, उत्तरी अमेरिका होगा। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, इससे कुछ उड़ानों का समय 45 मिनट से डेढ़



घंटे तक कम हो सकता है। हालांकि, रूट अभी बातचीत के स्तर पर है। पहलगां हमले के बाद पाकिस्तान ने 24 अप्रैल 2025 को भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद किया था। जवाब में भारत ने 30 अप्रैल

से पाकिस्तानी विमानों के लिए एयरस्पेस बंद कर दिया। यह प्रतिबंध 17 महीने से जारी है। एयर इंडिया के पूर्व सीईओ कैपबेल विल्सन ने 2025 में अनुमान लगाया था कि 4,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

2019 में भी पाकिस्तान ने एयरस्पेस बंद किया था

बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद 26 फरवरी 2019 को पाकिस्तान ने अपना एयरस्पेस पूरी तरह बंद कर दिया था। करीब 5 महीने बाद 16 जुलाई 2019 को पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए भी अपना एयरस्पेस खोल दिया। इस दौरान भारतीय एयरलाइंस को लंबे रूट से उड़ान भरनी पड़ी। एयर इंडिया को करीब 491 करोड़ का नुकसान हुआ था, जबकि सभी भारतीय एयरलाइंस का कुल नुकसान 550 करोड़ से ज्यादा बताया गया था।

पाकिस्तानी एयरस्पेस से रोज गुजरते थे 150 भारतीय विमान

पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने से पहले करीब 100-150 भारतीय विमान रोजाना पाकिस्तानी एयरस्पेस से गुजरते थे। वहीं, भारतीय एयरस्पेस से पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन की करीब 6 उड़ानें हर हफ्ते गुजरती थीं, यानी औसतन रोजाना एक से भी कम उड़ान। पाकिस्तान के एयरस्पेस से बचने के लिए लंबे रूट का इस्तेमाल करना एयर इंडिया के लिए महंगा हो गया है। एयर इंडिया लंबी दूरी की उड़ानों पर काफी निर्भर है।

ईरानी नाव से मुंबई जा रहे थे, लक्षदीप के पास दबोचे गए 3000 करोड़ की ड्रस के साथ 5 पाकिस्तानी गिरफ्तार



मुंबई (एजेंसी)। ईरानी नाव में 3,000 करोड़ की ड्रस के साथ 5 पाकिस्तानी नागरिकों को कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस ने गिरफ्तार किया है। पांचों आरोपी 526 किलो मेथामफेटामाइन और हेरोइन को समुद्री

रास्ते से मुंबई ले जा रहे थे। सिक्कोरिटी फोर्सेस ने यह कार्रवाई लक्षदीप के पास 25 सितंबर को की थी। हालांकि, इसकी जानकारी बुधवार को सामने आई। इससे पहले अप्रैल 2025 में भी गुजरात तट के पास एटीएस और भारतीय तटरक्षक बल ने करीब 311 किलो मेथामफेटामाइन जब्त की थी, जिसकी कीमत 1,800 करोड़ बताई गई। यह खेप पाकिस्तान के पसनी पोर्ट से तमिलनाडु ले जाना था। सुरक्षाबलों को देखकर तस्करों ने ड्रस समुद्र में फेंक दी और पाकिस्तान की समुद्री सीमा की ओर भाग गए।

नाव को मुंबई लाया गया

खुफिया सूचना मिलने के बाद तटरक्षक बल ने समुद्र और हवा से निगरानी की। संदिग्ध नाव को लक्षदीप के पश्चिम में रोककर तलाशी ली गई। नाव, चालक दल और ड्रस को सुरक्षा के बीच मुंबई लाया गया है, जहां पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई होगी। इस कार्रवाई से समुद्री रास्ते से होने वाली तस्करी रुकेगी।

संक्षिप्त

समाचार

लश्कर कमांडर हाशिम मूसा ढेर

जंगल में छिपा था

एनकाउंटर में मारा गया, सेना ने सितंबर में 5 आतंकी मार गिराए

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में सुरक्षाबलों ने मंगलवार देर रात लश्कर-ए-तैयबा के एक टॉप कमांडर हाशिम मूसा को मार गिराया। मुल्भेड यूसमर्ग के कोरग इलाके में हुई। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ को यहां आतंकीयों की मौजूदगी का इनपुट मिला था, जिसके बाद जॉइंट सर्व ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के



दौरान आतंकीयों ने फायरिंग शुरू कर दी थी। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक मारे गए आतंकी की पहचान मूसा के तौर पर हुई है। अलग-अलग रिपोर्टों में उसका नाम सुलेमान शाह उर्फ मूसा, फौजी मूसा और मोहम्मद आसिफ उर्फ हाशिम मूसा बताया गया है। इंडियन आर्मी ने इस एनकाउंटर को ऑपरेशन कोराग नाम दिया। इलाके में सर्व ऑपरेशन जारी है। सेना को यहां और भी आतंकी छिपे होने की जानकारी मिली है। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और बडगाम जिले में 1 से 30 सितंबर के बीच 5 आतंकी मारे गए। 15 सितंबर को बडगाम में यासिर को मार गिराया गया। 17 सितंबर को उधमपुर में दो पाकिस्तानी आतंकीयों सद्दाम और मुस्तफा को ढेर किया गया।

किसानों को मोदी सरकार का 'दीवाली' गिफ्ट

गेहूं समेत छह रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के करोड़ों किसानों के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मार्केटिंग ईयर 2027-28 के लिए गेहूं समेत रबी की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 25 रुपये बढ़ाकर 2,610 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। कैबिनेट ने साथ ही कई बड़े फसलों को मंजूरी दी। इनमें एक बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी प्रोग्राम पीएम धरा और दिल्ली के लिए इंटेरीजेंट ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम शामिल हैं। इसकी कुल लागत 2,79,157 करोड़ रुपये है। गेहूं रबी



की प्रमुख फसल है। इसकी बुवाई आमतौर पर अक्टूबर में और कटाई अप्रैल से शुरू होती है। कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन फसलों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पहल के लिए 1,86,405 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। साथ ही सरकार ने दिल्ली के नेशनल कैपिटल टेरिटरी में इंटेरीजेंट ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम के लिए भी 1,790 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। कैबिनेट ने अलग से रबी मार्केटिंग सीजन 2027-28 के लिए रबी मूल्य नीति को मंजूरी दी है।

एशियन गेम्स में भारत का 'गोल्डेन' डे

● एक दिन में जीते चार गोल्ड, 11वें दिन छाप भारतीय ● तीरंदाजी में तीन और शूटिंग में जीत लिया एक स्वर्ण ● मेडल टैली में उछाल, अब सातवें नंबर पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई गेम्स में बुधवार भारत के लिए यादगार दिन रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने एक ही दिन चार स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इनमें तीन स्वर्ण पदक कंपाउंड तीरंदाजी और एक स्वर्ण पदक शूटिंग में आया। यह एशियाई खेलों में भारत का अब तक का सबसे सफल एकदिवसीय स्वर्णिम प्रदर्शन रहा। भारत ने एशियन गेम्स के 11वें दिन 4 गोल्ड जीते। इनमें 3 गोल्ड तीरंदाजी और 1



शूटिंग में आया। इसके साथ भारत के 10 गोल्ड समेत 60 मेडल हो गए हैं। वह ईरान को पीछे छोड़कर मेडल टैली में 7वें नंबर पर पहुंच गया है। बुधवार को पहला गोल्ड विमेंस कंपाउंड आर्चरी टीम ने जीता।

इसके बाद चिकिता तनिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने मिक्सड कंपाउंड आर्चरी में गोल्ड जीता। नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी को शूटिंग में गोल्ड मिला। दिन का चौथा गोल्ड कंपाउंड आर्चरी के पुरुष टीम इवेंट में साहिल, गणेश और कुशल ने जीता।

दिन की शुरुआत महिला कंपाउंड टीम ने की। ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिता तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में चीन को 238-234 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके बाद पुरुष कंपाउंड टीम में गणेश मणि रत्नम, साहिल जाधव और कुशल दलाल ने चीन को बेहद करीबी मुकाबले में 238-



237 से शिकस्त देकर भारत को दूसरा स्वर्ण दिलाया। तीसरा स्वर्ण मिक्सड कंपाउंड टीम में आया। साहिल जाधव और चिकिता तनिपार्थी ने सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को जेल भेजने के आदेश दिए। इससे पहले आरोपियों को थाना खाराकुआ से मेडिकल जांच के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया। वहीं, मेडिकल प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस सुरक्षा के बीच सभी आरोपियों को जिला न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में ईशान, तैयब मंसूरी, सलमान, कासिम, शेख आसिफ, साहिल, सकिर शेख, अल्पेश और समीर के नाम बताए जा रहे हैं। शाही मस्जिद के पास अब शांति का माहौल है।

रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित चार एंड के बाद दोनों टीमों 157-157 की बराबरी पर थीं। इसके बाद शूट-ऑफ में भारत ने 20-19 से बाजी मारकर स्वर्ण

पदक हासिल किया। इस जीत के साथ दोनों ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के कंपाउंड मिक्सड टीम इवेंट का कोटा भी हासिल किया। भारत का चौथा स्वर्ण शूटिंग में आया। नीरू ढांडा और किनान चेनाई ने मिक्सड ट्रेप टीम स्पर्धा में 34 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कतर को पीछे छोड़ा, जिसने 32 अंक के साथ रजत पदक जीता। भारतीय जोड़ी का 34 का स्कोर नया एशियाई खेल रिकॉर्ड भी बना। इन चार स्वर्ण पदकों के साथ भारत की पदक तालिका में तेजी से इजाफा हुआ। उपलब्ध अपडेट के अनुसार भारत के 9 स्वर्ण, 21 रजत और 26 कांस्य सहित कुल 56 पदक हो गए थे। यह दिन भारतीय तीरंदाजी और शूटिंग के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि दोनों खेलों के खिलाड़ियों ने दबाव के क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को लगातार चार स्वर्ण पदक दिलाए।

बिहार के सारण में गंडक नदी पर बना बांध टूटा

● 6 जिलों में भीषण बाढ़, 1.59 लाख लोग प्रभावित ● यूपी की गलियों में नाव चली

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भारी बारिश के बाद गंडक समेत उत्तर बिहार की नदियां उफान पर हैं। 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इससे 1.59 लाख लोग प्रभावित हैं। बगहा-बेतिया में 4 जगह तटबंध टूटने के बाद बुधवार सुबह सारण में भी बांध टूट गया। निचले इलाकों में तेजी से पानी भर रहा है। राज्य के 17 जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। मुक्तफरनगर और अलीगढ़ समेत पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों से मानसून लौट चुका है। इसके चलते प्रदेश में बारिश कम हो गई है। उजाव में



गंगा का जलस्तर बढ़ने से गांवों और मोहल्लों में पानी घुस गया है। गलियों में नावें चल रही हैं। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के पड़ेरू में बारिश के बाद कई इलाकों में घना कोहरा दिखा। तापमान में भी गिरावट आई है। सुबह के समय लोग हेडलाइट जलाकर गाड़ी चलाते देखे गए।

उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में बारिश के आसार- उत्तराखंड में मानसून की विदाई के बीच मौसम में बदलाव जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, आज उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, प्रदेश के बाकी जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

इजराइल जा रही फ्लाइट को कैंश कराने की कोशिश

पायलट को चाकू मारा, 1 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आया, फाइटर जेट ने लैंडिंग कराई

रियाद (एजेंसी)। दुबई से तेल अवीव जा रही दुबई की फ्लाइट में को-पायलट ने साथी पायलट पर चाकू से हमला किया और विमान का कंट्रोल अपने हाथ में लेने की कोशिश की। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, यह घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे हुई। को-पायलट विमान को कैंश करने की कोशिश कर रहा था। दूसरे पायलट और कुछ यात्रियों ने उससे हाथपाई कर उसे रोक लिया। हमले के दौरान विमान 1 मिनट से भी कम समय में करीब 17 हजार फीट नीचे आ गया। इसके बाद विमान से



हार्डजैक का अलर्ट भेजा गया। इजराइल ने तुरंत फाइटर जेट्स खाना किए। उनकी निगरानी में फ्लाइट का रास्ता बदला गया और उसे सऊदी अरब के ताबुक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में करीब 180 यात्री सवार थे।

सीईसी के खिलाफ लामबंद हुए 19 विपक्षी दल

● 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में प्रदर्शन का किया ऐलान ● 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग घेरेंगे, बैठक में बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत 19 विपक्षी पार्टियां 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगी। 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग का घेराव किया जाएगा। यह फैसला बुधवार को दिल्ली के कॉन्स्ट्रक्शन क्लब में इंडिया ब्लॉक बैठक में लिया गया। करीब 3 घंटे चली बैठक में 3 बातों पर सहमति बनी। सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाया जाए। वोटर लिस्ट से हटाए गए नामों को सार्वजनिक किया जाए। नाम हटाने से पहले वोटर को नोटिस और अपील का मौका मिले। ईवीएम की जगह बलैट पेपर से चुनाव कराए जाएं। बैठक के बाद खड़गो ने आरोप लगाया कि मोदी- शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव



आयोग को कठपुतली बना दिया है। भाजपा चुनाव आयोग के साथ वोट चोरी कर रही है।

राहुल गांधी ने कहा- भाजपा ने लोकतंत्र पर कब्जा कर लिया- राहुल गांधी ने कहा, हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। बीजेपी, अमित शाह, पीएम मोदी और ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र पर हमला कर रहे हैं। बीजेपी, पीएम मोदी,

अमित शाह और ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र पर कब्जा कर लिया है। हम इसे चुपचाप बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम यह पक्का करेंगे कि लोकतंत्र को बर्बाद करने वालों को सजा मिले।

भारतीय लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति से बड़ा है। हम एक गठबंधन हैं और देश में बड़े बदलाव लाएंगे। खड़गो ने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ आम लोग, युवा,

इंडिया गठबंधन, एनजीओ और एकता और लोकतंत्र के लिए काम करने वाले संगठनों को जुटाया जाएगा।

2-8 अक्टूबर को जिला स्तर पर लोकतंत्र बचाओ मार्च और सीएम ऑर्फिस के बाहर प्रदर्शन किए जाएंगे। 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक सेव डेमोक्रेसी मार्च निकालेंगे।